

भारत सरकार  
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय  
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा  
तारांकित प्रश्न सं. 356

दिनांक 17 मार्च, 2026

तमिलनाडु में कृषि विज्ञान केंद्र

\*356. श्री मलैयारासन डी. :

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) तमिलनाडु में वर्तमान में कितने कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) कार्य कर रहे हैं और अगले पांच वर्षों में कुल कितने कृषि विज्ञान केन्द्र स्थापित किए जाने की योजना है;
- (ख) सरकार द्वारा मौजूदा कृषि विज्ञान केंद्रों को सुदृढ़ करने और किसानों को उन्नत कृषि ज्ञान, प्रौद्योगिकी और विस्तार सेवाएं प्रदान करने हेतु उनकी क्षमता में सुधार करने हेतु उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या सरकार ने कृषि विज्ञान केंद्रों के वर्तमान कार्यकरण में किन्हीं चुनौतियों अथवा कमियों की पहचान की है और यदि हां, तो उनके समाधान के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं;
- (घ) विगत तीन वर्षों के दौरान तमिलनाडु में कृषि विज्ञान केंद्रों के सुदृढ़ीकरण और विस्तार के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है और कितनी धनराशि का उपयोग किया गया है;
- (ङ) किसानों के लिए विस्तार सेवाओं में सुधार लाने हेतु सरकार की कृषि विज्ञान केंद्रों के कार्यों में डिजिटल उपकरणों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डेटा एनालिटिक्स जैसी आधुनिक प्रौद्योगिकियों को किस प्रकार एकीकृत करने की योजना है; और
- (च) तमिलनाडु में कृषि उत्पादकता, किसानों की आय और संवहनीय कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने पर कृषि विज्ञान केन्द्रों का क्या प्रभाव पड़ा है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री  
(श्री शिवराज सिंह चौहान)

(क) से (च): विवरण सभा के पटल पर प्रस्तुत है।

\*\*\*\*\*

**“तमिलनाडु में कृषि विज्ञान केंद्र” से संबंधित लोक सभा के दिनांक 17.03.2026 के  
तारांकित प्रश्न संख्या 356 के भाग (क) से (घ) से संबंधित विवरण**

**(क) :** वर्तमान में, तमिलनाडु राज्य में कुल मिलाकर 31 कृषि विज्ञान केन्द्र कार्य कर रहे हैं। तमिलनाडु के पांच नव सृजित जिलों नामतः कांचीपुरम, मयिलादुतुरई, रानीपेट, तिरूनेलवेली तथा तिरूपथुर में कृषि विज्ञान केन्द्र नहीं है। नव सृजित जिले में कृषि विज्ञान केन्द्र को खोलना निर्धारित कार्यविधि और दिशानिर्देशों के अनुसार एक सतत प्रक्रिया है।

**(ख) :** कृषि विज्ञान केन्द्रों में भौतिक बुनियादी सुविधाओं का सुदृढीकरण और उन्नयन करना एक प्राथमिकताबद्ध और नियमित प्रक्रिया है। तमिलनाडु में कृषि विज्ञान केन्द्रों में बुनियादी सुविधा और क्षमता निर्माण का उन्नयन करने के लिए अनेक कदम उठाये गए हैं। वर्ष 2021-26 योजना अवधि के दौरान, तमिलनाडु के कृषि विज्ञान केन्द्रों को दो प्रशासनिक भवनों, दो किसान हॉस्टल, बीस प्रदर्शन इकाइयों और तीस फार्म मशीनरी/उपकरणों/वाहनों के साथ मजबूती प्रदान की गई है। इसके अलावा, इसी अवधि के दौरान, नवीनतम कृषि प्रौद्योगिकियों पर तमिलनाडु में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों के विषयगत विशेषज्ञों की जानकारी और कौशल को अद्यतन करने के लिए कुल 61 प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल किए गए प्रमुख क्षेत्र थे : डिजिटल कृषि, प्राकृतिक/जैविक खेती, पादप सुरक्षा व नाशीजीव प्रबंधन, बागवानी व प्रेसिजन कृषि, मृदा स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन एवं अनुकूलता, पशुधन एवं पोल्ट्री से संबंधित प्रौद्योगिकियां, कटाई-उपरांत प्रौद्योगिकी, मूल्य-वर्धन एवं प्रसंस्करण आदि।

**(ग) :** भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) की केविके स्कीम के अनुसार कृषि विज्ञान केंद्रों को विभिन्न मेजबान संगठनों यथा राज्य सरकार, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSUs), गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के प्रशासनिक नियंत्रण में खोला जाता है। कृषि विज्ञान केंद्रों की वर्तमान कार्य-प्रणाली में कृषि विज्ञान केंद्रों में रिक्त पदों और कृषि विज्ञान केंद्र स्टाफ का बार-बार होने वाला स्थानांतरण प्रमुख चुनौतियां हैं। कृषि विज्ञान केंद्रों में रिक्त पदों को भरना और कृषि विज्ञान केंद्र स्टाफ की स्थानांतरण संबंधी जिम्मेदारी संबंधित मेजबान संगठन की होती है। इस संबंध में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) समय-समय पर उनसे लगातार अनुवर्ती कार्रवाई करता रहता है।

**(घ) :** तमिलनाडु राज्य में पिछले तीन वर्षों के दौरान कृषि विज्ञान केंद्रों के सुदृढीकरण और विस्तार के लिए कुल 1376.07 लाख रुपये आवंटित किए गए और इनका उपयोग किया गया।

(ड) : कृषि विज्ञान केंद्र, किसानों और वैज्ञानिकों के बीच संवाद स्थापित करने के लिए आईसीटी आधारित किसान सारथी पोर्टल लागू कर रहे हैं। इसके माध्यम से किसानों में ज्ञान के प्रसार के लिए सहज, मल्टीमीडिया और बहुमार्गी संपर्क सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। बड़े स्तर पर किसानों से लैंडस्केप डायग्नोस्टिक सर्वे के माध्यम से प्राप्त फीडबैक का विश्लेषण करने के लिए बिग डेटा एनालिटिक्स का उपयोग किया जाता है। इससे अनुसंधान प्रणाली और विकास विभागों को समस्याओं के समाधान तथा नीति निर्माण के लिए आवश्यक सुझाव प्राप्त होते हैं। कृषि विज्ञान केंद्रों के विषय-विशेषज्ञों को लैंडस्केप डायग्नोस्टिक सर्वे के संबंध में प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है।

(च) : इस प्रकार का प्रभाव अध्ययन नहीं किया गया है। हालांकि, कृषि विज्ञान केंद्रों (KVKs) को जिला स्तर पर कृषि तकनीकों के प्रसार की एक जीवंत और प्रभावी संस्था बनाने के लिए, तमिलनाडु सहित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों की निगरानी और समीक्षा के लिए मजबूत व्यवस्था बनाई गई है। कृषि विज्ञान केंद्रों के कार्यों की नियमित रूप से राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, विश्वविद्यालय और जिला स्तर पर निगरानी एवं समीक्षा की जाती है। यह काम क्रमशः भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR); कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (ATARI); कृषि विश्वविद्यालयों; और प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्र की वैज्ञानिक सलाहकार समिति द्वारा किया जाता है। इसके अलावा, कृषि विज्ञान केंद्रों के कामकाज और प्रदर्शन की समय-समय पर पंचवर्षीय समीक्षा दल (QRT) और तृतीय पक्ष मूल्यांकन के माध्यम से भी जांच और समीक्षा की जाती है।

वर्ष 2020 में पंचवर्षीय समीक्षा दल (QRT) द्वारा तमिलनाडु के कृषि विज्ञान केंद्रों के काम-काज की नवीनतम समीक्षा की गई थी। मूल्यांकन के प्रमुख परिणामों को नीचे संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत किया गया है। तमिलनाडु के प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्र (KVK) ने अपने संबंधित जिले में प्रौद्योगिकी आकलन, अग्रिम-पंक्ति प्रदर्शन और क्षमता निर्माण के कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अधिकांश कृषि विज्ञान केंद्रों में लगभग 88 प्रतिशत पदों पर कर्मचारी कार्यरत हैं और उनके पास लगभग 16 से 23 हेक्टेयर का अनुदेशात्मक फार्म है। इन फार्मों में विभिन्न फसलों के 15001.59 क्विंटल गुणवत्तापूर्ण बीज तथा बागवानी फसलों के 1.55 करोड़ रोपण सामग्री का उत्पादन किया गया है, जिससे विभिन्न प्रकार की प्रसार गतिविधियों को बढ़ावा मिला है। कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा तकनीक के प्रसार में मुख्य रूप से उच्च प्रभाव वाली फसल किस्मों (जैसे धान: CO-R-50, CO-51; उड़द: VBN-6, VBN-8; रागी: ML-365 आदि), एकीकृत फसल एवं पोषक तत्व प्रबंधन रीतियों, कृषि यंत्रीकरण तथा पशुधन आधारित तकनीकों पर विशेष ध्यान दिया गया है।

\*\*\*\*\*